विधानसभा में पुजारी प्रोटेक्शन एक्ट लाकर सुरक्षा दिलाने की मांग

अखिल राजस्थान पुजारी महासंघ ने 23 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा

डूंगरपुर, (निसं)। अखिल राजस्थान पुजारी महासंघ की जिला शाखा की ओर से मुख्यमंत्री के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपकर विधानसभा में पुजारी प्रोटेक्शन एक्ट लाकर सुरक्षा दिलाने की मांग रखी।

संघ प्रदेश सचिव रतनलाल सेवक ने बताया की पुजारियों पर आए दिन भूमाफिया और असामाजिक तत्व अत्याचार कर रहे हैं जिससे मजबूरी में पुजारियों को आत्महत्या करनी पड़ रही है। जिसमें महुआ दौसा, भरतपुर, जालौर, मुरलीपुरा जयपुर और तीन दिन कोटा में पुजारियों को मानसिक रुप से प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए विवश कर दिया। जिसमें परिवार को आर्थिक सहायता, सरकारी नौकरी दी जाए। इसके अलावा पुजारी प्रोटेक्शन बिल विधानसभा में बनाकर सुरक्षा दिलाई जाए। पुजारी को विप्र कल्याण बोर्ड में सदस्य बनाकर उनकी समस्याओं को सुना जाए।

राज्य में मंदिरों की आय को सीधे देवस्थान विभाग या ट्रस्ट के पास चली जाती है। ऐसे में पुजारियों के पास आमदनी के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में पुजारियों को मासिक वेतनमान दिया जाए। भाजपा की तत्कालीन भैरोसिंह शेखावत सरकार की ओर से 1997 में मंदिर के साथ जुडी कृषि भूमियों की जमाबंदी में से पुजारियों के नाम बगैर सुनवाई के हटा दिया गया था। इस कानून को हटाकर पुन: पुजारियों के नाम जोडे जाए।

पुजारी महासंघ की ओर से मुख्यमंत्री के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

भले ही राज्य सरकार इसमे बेचने पर पाबंदी लगा दे। जिस पर राज्य के पुजारियों को कोई आपत्ति नहीं है। राज्य के प्रत्येक मंदिर के मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए सरकार की ओर से बजट समय पर जारी किया जाए। मंदिरों की जमीन, रास्ते पर अतिक्रमण हटाया जाए। मंदिरों में धार्मिक आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए सरकार की ओर से राशि जारी की जाए। राज्य में कई मंदिरों पर विदेशी आक्रांताओं ने तोडकर नष्ट कर दिया गया है। जिसे अब राज्य सरकार पुन: नए सिरे से बनाए। मंदिरों में पुजारियों की नई पीढी को सनातनी शिक्षा, कर्मकांड और वैदिक कक्षाओं का आयोजन सरकार अपने खर्च पर शुरू कराए। जिससे आने वाली पीढी को इसका ज्ञान मिल सके। मंदिरों पर ट्रस्ट के गठन में पुजारी को निर्धारित पद मिले। जिससे मंदिरों में ट्रस्ट के एकाधिकार को खत्म किया जा सके। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष भगवानलाल सेवक, संरक्षक बद्रीनारायण शर्मा, जिलाध्यक्ष कांतिलाल शर्मा, प्रदेश सचिव रतनलाल सेवक, जिला संगठन मंत्री गजानंद उपाध्याय, मोतीलाल कतिसौर सहित सदस्य मौजूद थे।

■ आए दिन भूमाफिया और असामाजिक तत्वों के अत्याचारों के कारण पुजारी आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं

'राष्ट्रीय परियोजना के लिए दिल्ली का सिंहासन हिला देंगे किसान'

अलवर जिले के मालाखेड़ा में नवीं किसान महापंचायत आयोजित हुई।

■ मालाखेड़ा में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति की महापंचायत में किसानों ने भरी हुंकार

मालाखेड़ा / हिण्डौन सिटी, (निसं)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति की ओर से शनिवार को अलवर जिले के मालाखेड़ा में नवीं किसान महापंचायत आयोजित हुई। इस महापंचायत में हजारों की संख्या में शामिल किसानों ने ऐलान किया कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिया गया तो दिल्ली का सिंहासन हिला देंगे। महापंचायत में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के साथ ईआरसीपी संयुक्त किसान मोर्चा ने भी सहभागिता दिखाते हुए मिलकर संघर्ष करने का ऐलान किया। इस मौके पर 13, जिलों में ईआरसीपी के लिए संघर्ष कर रहे अन्य संगठनों से भी एक मंच पर आने का आव्हान किया गया।

महापंचायत में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना ने कहा कि देश को आजाद हुए भले ही 75 साल हो गए हैं, लेकिन आज भी सरकारें किसानों के साथ न्याय नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कैसी आजादी है कि किसानों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

प्रदेशाध्यक्ष मीना ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के किसान चंबल के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार गंभीर नहीं है। किसान उसी पार्टी को वोट देंगे जो चंबल का पानी 13 जिलों की धरा पर लेकर आएगी। किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए प्रदेश संयोजक अमर सिंह नीमरोट और प्रदेश महामंत्री भरत सिंह डागुर ने भी कहा कि किसानों की एकजुटता से ही चंबल का पानी 13 जिलों की धरा पर आ सकेगा। महापंचायत का संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी दीनदयाल सारस्वत ने किया।

किसान महापंचायत में 4 रिटायर्ड आईएएस पीआर मीना, पीसी मीना, बीपी मीना और आरसी मीना भी उपस्थित हुए, जिन्होंने केंद्र सरकार से ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की पुरजोर ढंग से मांग की और उपस्थित किसानों को ईआरसीपी के बारे में विस्तार से बताया। किसान महापंचायत में ईआरसीपी संयुक्त मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष विक्रम सिंह, युवा प्रदेशाध्यक्ष जवान सिंह मोहचा, सावित्री देवी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस दौरान पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति को समर्थन देने का ऐलान किया गया। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष विक्रम सिंह मीणा ने ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए किए जा रहे अपने संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया।

युवक की हत्या के बाद आक्रोशित भीड़ ने हाइवे जाम किया

बीकानेर, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ के तोलियासर में एक युवक की हत्या के बाद आक्रोशित भीड़ ने शनिवार को कस्बे से गुजर रहे नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। हालांकि पुलिस की सख्ती के बाद जाम खोल दिया गया।

दरअसल शुक्रवार रात एक युवक सामरमल सुथार की तीन-चार युवकों ने मिलकर चाकू मारकर हत्या कर दी। इसी मामले में पुलिस ने तीन युवकों को राउंड अप भी किया है लेकिन मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से पूरे कस्बे में लोगों में भारी आक्रोश है। सामरमल यहां कालूबास मोहल्ले में रहता था। महज बीस साल का ये युवक तोलियासर भैरूजी मेले में दर्शन के लिए जा रहा था। रास्ते में कुछ युवकों ने चाकू घोंपकर इसकी हत्या कर दी।

घटना का पता चलने के बाद से कस्बे में रोष है। सुबह थाने पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध किया। बाद में ये लोग बाजार पहुंच गए और यहां पर दुकानें बंद करवा दी। दोपहर बारह बजे तक बाजार बंद करवाने के बाद हाईवे पर पहुंच गए। हाईवे जाम कर दिया गया। काफी देर नेशनल हाईवे बंद होने से पुलिस ने सख्ती दिखाई और मौके पर पहुंचकर लोगों को हटाया। अब रास्ता खोल दिया गया है।

इस हत्याकांड में शामिल तीन युवकों को पुलिस ने राउंडअप किया है। उनसे पूछताछ चल रही है। अब तक गिरफ्तार नहीं किया है। स्थानीय लोग चौथे युवक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। जो अब तक फरार चल रहा है। चारों युवक कौन है, इस बारे में पुलिस अब तक कोई जानकारी नहीं दी है। मामला आपसी रंजिश का लग रहा है।

सोने की चूड़ियां लेकर कारीगर फरार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र में एक सर्राफा कारोबारी द्वारा मीनाकारी के लिए दी गई 60 ग्राम सोने की चार चूडिय़ा कारीगर लेकर फरार हो गया। इस संबंध में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि नागौरी मोहल्ला सुनारो की गली के सर्राफा कारोबारी रामकृष्ण सोनी ने रिपोर्ट दी कि उनकी दुकान पर सोने-चांदी के जेवर बनाने का काम किया जाता है। उनकी दुकान पर कारीगर के रुप में पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के गुप्तीपारा, गांव रायपुर निवासी हैदल अली तीन साल से काम कर रहा था।

फ्लैट्स उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद को नहीं बुलाने पर कमिश्नर दिल्ली तलब

भरतपुर, (निसं)। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत बनाए फ्लैट्स के उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद रंजीता कोली के विशेष अधिकारों के हनन करने के मामले में संसद ने नगर निगम कमिश्नर और यूआईटी सचिव कमल राम मीणा को दिल्ली बुलाया है। यहां उनसे सांसद रंजीता कोली के विशेष अधिकारों के हनन के मामले में जवाब मांगा है।

दरअसल फ्लैट्स के उद्घाटन के दौरान केंद्र सरकार की योजना होते हुए भी सांसद कोली को समय पर सूचना नहीं दी गई थी। राज्य सरकार के मंत्री से अधिकारियों ने फ्लैट्स का उद्घाटन कराया। इस मामले में सांसद रंजीता कोली ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को अवगत कराया। उसके बाद नगर निगम कमिश्नर और यूआईटी सचिव कमल राम मीणा को दिल्ली बुलाया और उनसे गहन पूछताछ कर जवाब मांगा। पूछताछ से पहले यूआईटी सचिव कमल राम मीणा को करीब 2 घंटे तक संसद के बाहर इंतजार करना पड़ा, उसके बाद उन्हें जवाब के लिए बुलाया गया।

पूछताछ से पहले यूआईटी सचिव कमल राम मीणा को करीब 2 घंटे तक संसद के बाहर इंतजार करना पड़ा।

ईओ के व्यवहार से नाराज गो पालकों ने गोशाला छोड़ी

पुष्कर, (निसं)। जहां एक और राज्य सरकार लंपी से ग्रसित गायों के लिए काम करने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही है, वहीं पुष्कर के गौशाला में कार्य करने वाले गौ भक्त अधिशासी अधिकारी अभिषेक गहलोत के व्यवहार से रुष्ट होकर गौशाला छोड़कर चले गए हैं।

गो भक्तों का कहना है कि लगभग डेढ़ से 2 महीने से गायों की यहां सेवा कर रहे हैं और कुछ दिनों से नगर पालिका की गौशाला में आइसोलेशन सेंटर बनाकर भामाशाह से सहयोग लेकर गायों का इलाज कर रहे हैं। पुष्कर नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी अभिषेक गहलोत के व्यवहार के कारण और हमें गुंडा बदमाश बताने को लेकर हमें गौशाला छोड़कर जा रहे हैं। अभी फिलहाल गौशाला में 220 गौ जानवर लम्पी से ग्रसित हैं जिनका इलाज चल रहा है और स्वस्थ हुई गायें यहां अलग से रखी हुई है। अब इन गायों को गोपालक ईओ अल्टीमेटम के बाद छोड़कर जा रहे। उन्होंने कहा कि गोपालकों को अधिशासी अधिकारी ने गुंडा बताया है और यह कहा कि आधे घंटे में गौशाला खाली कर देना। इस संबंध में धीरज राम महाराज ने बताया कि हम कहीं भी रहकर गाय की सेवा कर लेंगे। हम गुंडा मवाली बताने वाले अधिशासी अधिकारी के अल्टीमेटम के बाद गौशाला छोड़कर जा रहे हैं। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई है और जांच कर रही है।

पुलिस से वार्ता करते गौशाला के गोपालक।

इस संबंध में अधिशासी अधिकारी को मोबाइल फोन किया गया लेकिन अधिशासी अधिकारी ने फोन नहीं उठाया। पालिका इस गो शाला को अभी फिलहाल कांजी हाउस बनाना चाहती है क्योकि गुर्जर समाज से जुड़े किरोड़ी बैसला की अस्थियां 12 सितम्बर को पुष्कर में प्रवाहित की जाएगी। इस दौरान लोक सभा अध्यक्ष सहित कई बड़े नेता आ रहे है। इसलिये आवारा जानवरों को वहां रखा जाएगा। गो पालक चाहते है वह स्वस्थ जानवर हैं, उन्हें यहां नही रखे उनमें भी लंपी हो जाएगा। गो पालकों ओर ईओ में विवाद बढ़ता गया। ईओ के मत जानने के लिए उन्हें मोबाइल किया लेकिन उन्होंने अटेंड नहीं किया।

विधायक दिव्या मदेरणा ने अस्पताल में धरना दिया

जोधपुर, (कासं)। महामंदिर क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में हृदय रोगी युवक को चिरंजीवी कार्ड होने के बावजूद चिरंजीवी योजना में लाभ न देने पर ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा व उनके समर्थकों ने अस्पताल में धरना दे दिया। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। मरीज के भाई हरीश ने बताया कि धनारी कला से गत 7 सितंबर को जगदीश डूडी को हृदय में तकलीफ के चलते अस्पताल लाया गया था। अस्पताल को चिरंजीवी कार्ड दिखाया, उसके बावजूद उन्होंने बाद में धोखे से हस्ताक्षर करवा लिए। उन्हें 3 लाख 60 हजार का बिल थमा दिया गया। इस मरीज के हार्ट में स्टेंट लगाया गया है। परिजनों का आरोप है कि जब सरकार पैसे दे रही है तो अस्पताल इलाज में आनाकानी क्यों कर रहे हैं।

मगर के वीर की मौत से क्षेत्र में गमगीन माहौल

ब्यावर, (निसं)। देश की रक्षा करते समीपवर्ती कालिंजर गाँव निवासी फौजी योगेंद्र सिंह रावत कुछ दिन अपने परिवार के साथ गुज़ारने छुट्टी पर घर आया था। बदकिस्मती से फौजी का रोड एक्सीडेंट हो गया और 8 दिन अस्पताल में उपचार के दौरान ही मौत गई।

दो सितंबर शाम 7.30 बजे ब्यावर से अपने मित्र के साथ बाईक पर घर लौटते समय नेशनल हाइवे आठ पर राजियावास गांव के निकट सामने आ रही अन्य बाईक से आमने सामने ज़ोरदार भिड़ंत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल फौजी और उसके मित्र को ब्यावर के राजकीय अमृत कौर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। गंभीर घायल होने से अजमेर रैफर और अजमेर से दिल्ली आर्मी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। लेकिन शुक्रवार की शाम को ही दिल्ली आर्मी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत होने की सूचना मिली। राजियावास सरपंच बृछपाल सिंह रावत ने बताया की ब्यावर पहुंचने के पश्चात जुलुस के साथ पैतृक गाँव कालिंजर जाएंगे जहां अंतिम संस्कार होगा।

फौजी योगेन्द्र सिंह रावत।

नौ साल की बच्ची के फेफड़े में फंसी सुई का ऑपरेशन

जोधपुर, (कासं)। शहर के मथुरा दास माथुर चिकित्सालय नौ साल की एक बच्ची के फेफड़े में फंसी सुई का सफल ऑपरेशन डाक्टर्स की टीम ने किया। बच्ची अब स्वस्थ है।

अस्पताल के अधीक्षक डॉ विकास राजपुरोहित ने बताया गया कि प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ दिलीप कछवाहा के मार्गदर्शन में कार्डियोथोरेसिक विभाग में एक 9 वर्षीय बच्ची की फेफड़े में फंसी सुई को निकालने का सफल ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत निशुल्क किया गया। 9 वर्षीय बच्ची गत डेढ़ माह से दाहिने छाती के दर्द से परेशान थी। बच्ची तथा उसके परिजनों ने बताया कि डेढ़ माह पूर्व सोते समय बच्ची के छाती में यह बड़ी सुई घुस गई थी इस समस्या को लेकर मरीज के परिजनो ने अपने क्षेत्र मे परामर्श लिया परंतु लाभ ना होने के कारण वह मथुरादास माथुर अस्पताल के कार्डियोथोरेसिक विभाग में भर्ती हुई जहां एक्स-रे तथा सीटी स्कैन में मरीज के दाहिने फेफड़ों में सुई की पुष्टि हुई।

डॉक्टर्स यह टीम रही शामिल:- बच्ची का सफल ऑपरेशन ऑपरेशन डॉ सुभाष बलारा (सहा अचार्य तथा विभागयक्ष)के साथ मिलकर डॉ अभिनव सिंह (सहायक आचार्य) ने किया। इस ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विभाग की डॉ गीता सिंगारिया, डॉ देवेंद्र बोहरा, डॉ कश्मीरा शर्मा, स्टाफ रेखा राम और मोनिका शामिल थे।

सुई पांच सेंटीमीटर लंबी, पैरेंकाइमा में फंसी थी:- अधीक्षक राजपुरोहित ने बताया कि इस सुई की लंबाई लगभग 5 सेंटीमीटर थी और बच्ची के दाहिने फेफड़े के पोस्टीरियर बेसल सेगमेंट के पैरेंकाइमा में धंसी हुई थी। जिसका आगे का सिरा सेगमेंटल और वेन से सिर्फ एक सेंटीमीटर की दूरी पर था इसलिए ऑपरेशन को करते समय अत्यंत सावधानी की आवश्यकता थी अन्यथा मरीज के फेफड़े को डैमेज पहुंच सकता था।, ऐसे ऑपरेशन को करने के लिए अनुभवी डॉक्टर्स की टीम की आवश्यकता होती है, सुई को निकालने के बाद फेफड़े को रिपेयर कर दिया गया, यह ऑपरेशन लगभग 1 घंटे चला, ऑपरेशन के पश्चात बच्ची का इलाज सीटीवीएस विभाग में चल रहा है, जहां डॉ अंशुमन और डॉ सुखदेव इलाज में मदद कर रहे हैं।

बच्ची स्वस्थ, परिजन खुश:- डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रवक्ता डॉ जयराम रावतानी ने बताया कि बच्ची अब पूर्णता स्वस्थ है और परिजन खुश हैं। ऐसे केसेस काफी रेयर हैं और अगर सुई को समय रहते ना निकाला जाए तो फेफड़ों में मवाद तथा एंपाईमा बनने का खतरा रहता है।

टोल वसूली के नाम पर करोड़ों की ठगी

उदयपुर, (कासं)। शहर के भुपालपुरा थाना पुलिस ने टोल वसूली का झांसा देकर विभाग के साथ करोड़ों की ठगी करने वाली जयपुर की कंपनी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार भुपालपुरा रोड नं. 3 स्थित आरएसआरडासी लि. के निदेशक बेसवा खेमरोजी थाना गोविन्दगढ जयपुर ग्रामीण हाल परियोजना निदेशक लाल चन्द्र वर्मा पुत्र श्रवणलाल शर्मा ने ओम नगर रायपुर इलाहबाद युपी निवासी अंजनी कुमार पाण्डे की कंपनी मैसर्स श्रेया इन्टरप्राईजे के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि हमारी कंपनी ने 16 अगस्त 2021 को 24 माह की टोल वसूली के क्रम में सलूम्बर से कीर की चौकी रोड़ तथा देबारी से कुराबड़ बंबोरा तक रोड़ की निवीदाए आमंत्रित की थी।आरोपी कंपनी को उक्त वसूली का काम सौपा था। लेकिन आरोपी ने निर्धारित समय पर वसूली पूरी नहीं कर जमा नहीं करवाई।

इस संबंध में आरोपी द्वारा दी गई यूनियन बैंक आफ इण्डिया तरूखाना महाराष्ट्र की बैक गारंटी के आधार पर पड़ताल की तो उक्त बैंक गारंटी फर्जी होने की जानकारी सामने आई। इस पर आरोपी कंपनी को नकदी जमा कराने के लिए संपर्क किया तथा पत्र व्यवहार किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।आरोपी कंपनी ने पीडित कंपनी के साथ 11 करोड़ 69 लाख 5 हजार रूपये की मानहानि की। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

झुंझुनूं के बगड़ आए मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक ने फिर खोला केंद्र के खिलाफ मोर्चा

'मुझे भी इशारे थे कि यदि चुप हो जाऊं तो उप राष्ट्रपति बना देंगे, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता'

बगड़, (निसं)। झुंझुनूं के बगड़ पहुंचे मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक के तीखे तेवर लगातार जारी हैं। इस बार उन्होंने उप राष्ट्रपति को लेकर बड़ा बयान दिया है। झुंझुनूं के बगड़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सतपाल मलिक ने कहा कि जगदीप धनखड़ डिजर्व करते हैं उपराष्ट्रपति पद के लिए। लेकिन उनको भी इशारे किए गए थे कि यदि मैं सच बोलना बंद कर दूंगा तो मुझे उप राष्ट्रपति बना देंगे। लेकिन मैंने कह दिया, मैं ऐसा नहीं कर सकता। जो महसूस करता हूं, वो बोलता ही हूं। चाहे उसके लिए मुझे कुछ भी छोड़ना पड़े। देश में गैर बीजेपी नेताओं पर डाले जा रहे ईडी, आईटी और सीबीआई के छापों को लेकर भी सतपाल मलिक ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में ऐसे कई लोग हैं जिन पर अब तक ईडी, आईटी और सीबीआई के छापे डल जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं है। यही कारण है कि देश में इन एजेंसियों को लेकर अलग माहौल बन गया है।

सरकार को चाहिए कि कुछ अपने लोगों पर भी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि देश में एजेंसियों को लेकर जो माहौल बना हुआ है वो सही रह सके। बातचीत में सतपाल मलिक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अच्छा है, एक नौजवान अपनी पार्टी के लिए काम कर रहा है। एक नेता पैदल तो चल रहा है। जबकि आज के वक्त में ऐसा कोई नहीं करता। उनकी भारत जोड़ो यात्रा से क्या मैसेज जाता है, वो तो जनता बताएगी। लेकिन उन्हें यह काम ठीक लग रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का कार्यकाल पूरा होने के बाद वे किसानों की लड़ाई में उनक साथ देगें। उन्होंने कहा कि किसान को बेवकूफ समझने की भूल की जा रही है। जबकि कहावत है कि बेपढ़ा जाट पढ़ा जैसा, पढ़ा जाट खुदा जैसा। इसलिए किसान बड़ी होशियार कौम है। मैं उनकी पूरी मदद करूंगा। जहां पर भी किसानों की लड़ाई होगी वहां जाउंगा।

अडानी की बढ़ती संपत्ति को लेकर भी मलिक ने हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश में यू ट्यूब जैसे हालात हो रहे हैं। अडानी की संपत्ति बढ़ रही है तो किसानों की आमदनी नीचे जा रही है। अडानी एशिया के तीसरे नंबर के अमीर बन गए है। लोगों में यह चर्चा है कि अडानी का साथ सरकार दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालातों को देखते हुए नहीं लगता कि सरकार एमएसपी पर कोई फैसला लेगी। इसलिए किसानों को फिर से आंदोलन करना पड़ेगा। इस बार आंदोलन में वे खुद शामिल होंगे। राजपथ का नाम बदलने पर भी मलिक ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा प्रधानमंत्री के काम को सपोर्ट करता हूं। लेकिन राजपथ का नाम कर्तव्य पथ रखने की कोई जरूरत नहीं थी। राजपथ नाम भी ठीक था। बोलने में अच्छा था। अब कर्तव्य पथ एक मंत्र जैसा लगता है। लेकिन अब प्रधानमंत्री ने कर दिया तो हमें मंजूर है।

झुंझुनूं के बगड़ पहुंचने पर मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक का स्वागत किया गया।

■ मलिक बोले- बीजेपी में काफी लोग ऐसे हैं जिन पर ईडी, सीबीआई, आईटी के छापे पड़ सकते हैं